International Journal of Education and Science Research Review
E-ISSN 2348-6457
Volume-1, Issue-6 December- 2014
P-ISSN 2349-1817
www.ijesrr.org
Email- editor@ijesrr.org

विभिन्न स्तरों के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का समायोजन एवं सांवेगिक बुद्वि का अध्ययन

श्रीमती रेखा राणा
रीडर
शिक्षा विभाग
मेरठ कॉलिज मेरठ

सार

प्रस्तुत शोध प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों समायोजन एवं सांवेगिक बुद्वि के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया। जिसमें 90 अध्यापकों (30+30+30) का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया। प्रदत्तों के एकीकरण हेतू हाइड पेठे एवं धर द्वारा निर्मित 'सांवेगिक बुद्वि मापनी' एवं 'अध्यापक समायोजन सूची' (शोधार्थिनी द्वारा निर्मित) का प्रयोग किया गया। प्रदत्तों का विश्लेषण 'मध्यमान' 'मानक विचलन', 'टी' परीक्षण एवं 'सह सम्बन्ध गुणांक' आदि सांख्यिकीय विधियों द्वारा किया गया। प्राप्त परिणामों से ज्ञात होता है कि महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि एवं समायोजन का स्तर माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की अपेक्षा उच्च है तथा स्तरों पर कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्वि एवं समायोजन के मध्य सह सम्बन्ध घनात्मक पाया गया।

मुख्य शब्दः विभिन्न शैक्षिक स्तर, समायोजन, सांवेगिक बुद्वि

प्रस्तावना

शिक्षा के द्वारा मनुष्य की अन्तनीर्हित शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान एवं कौशलों में वृद्वि एवं व्यवहार में वॉछिंत परिवर्तन कर, उसे सुसभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है। गाँधी जी के अनुसार, ''शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर, मन तथा आत्मा के सर्वागीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास से है।''

विद्यालय में बालक को अधिकाधिक व्यक्तियों के सम्पर्क में आने का अवसर प्राप्त होने के कारण, उसकी भाषा, विचार, व्यवहार एवं अभिवृत्ति आदि प्रभावित होती है। विद्यालय में शिक्षा–अधिगम की प्रक्रिया बालक को न परिस्थितियों के साथ समायोजन करना ही नहीं सिखाती अपितु उसमें स्वंय के अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण करने की क्षमता का भी विकास करती है। शिक्षा के द्वारा मानव अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में निरन्तर रत रहता है। सीखे ज्ञान एवं कौशलों को नवीन पीढ़ी को हस्तांतरित करने हेतू

विद्यालयी शिक्षा का नियोजन किया जाता है। जिसमें बुनियादी संसाधनों की व्यवस्था, शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतू पाठयक्रम निर्माण, प्रभावी, शिक्षण–विधियाँ इत्यादि है। उपयुक्त साधनों की उपलब्धि मात्र से बालक के वांछित व्यवहार परिवर्तन की आशा नहीं की जा सकती, जब तक कि शिक्षा प्रक्रिया में प्रभावशाली शिक्षक की उपस्थिति न हो।

शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में इस प्रकार के अध्यापकों की आवश्यकता होती है। जो न केवल स्वंय के विषय में पांरगत हो वरन् भावनात्मक रूप से सन्तुलित एवं प्रभावशाली, समायोजित व्यक्तित्व रखता हो। अध्यापकों का पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन, समाज की अपेक्षायें, कार्य स्थल की समस्यायें, उसके मानसिक स्वास्थ्य पर अत्याधिक प्रभाव डालते है। जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में सुसमायोजित अध्यापक विद्यार्थियों के लिये प्रेरणास्रोत एवं अनुकरणीय होता है साथ ही साथ उनकी निष्पत्ति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

अतीत एवं वर्तमान के अनुभवों व प्रयोगों से ज्ञात होता है कि उच्च बुद्विलब्धि सदैव ही सफलता की द्योतक नहीं होती। मायर एवं सैलोवी (1990) एवं गोलमैन (1995) के अध्ययनों से सांवेगिक बुद्वि के प्रत्यय का प्रचलन बढ़ा। सांवेगिक बुद्वि स्वंय की और अन्य व्यक्तियों की भावनाओं को समझने एवं नियन्त्रित करने की सामर्थ्य देती है। स्वप्रेरणा, आवेश–नियंन्त्रण सामर्थ्य एवं अधीरता व अशान्ति पर नियन्त्रण इत्यादि घटक सांवेगिक बुद्वि में सम्मिलित होते है।

विभिन्न कौशलों एवं ज्ञान से परिपूर्ण शिक्षक तभी प्रभावशाली हो सकता है। जब वह सुसमायोजित हो यह जानना आवश्यक हो जाता है कि प्राथमिक, मध्यामिक एवं उच्च स्तर पर अध्यापकों के समायोजन की प्रक्रिया में सांवेगिक बुद्वि क्या स्थान है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. विभिन्न शैक्षिक स्तरों के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. विभिन्न शैक्षिक स्तरों के विद्यालयों के कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. विभिन्न शैक्षिक स्तरों के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन एवं सांवेगिक बुद्वि के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनायें

1. प्राथमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों तथा माध्यमिक शैक्षिक स्तर विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. प्राथमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों तथा उच्च शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. माध्यमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालायों में कार्यरत शिक्षकों तथा उच्च शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
4. प्राथमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालायों में कार्यरत शिक्षकों तथा माध्यमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
5. प्राथमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालायों में कार्यरत शिक्षकों तथा उच्च शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
6. प्राथमिक शैक्षिक स्तर के विद्यालायों में कार्यरत शिक्षकों तथा उच्च शैक्षिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
7. विभिन्न शैक्षिक स्तरों के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन एवं सांवेगिक बुद्वि के मध्य कोई निश्चित सहसम्बन्ध नहीं होता है।

तालिका – 1
प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांको के मध्यमान की तुलना

समूह	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'
प्राथमिक वि0 में कार्यरत शिक्षक	30	98.67	26.62	2.67**
माध्यामिक वि0 में कार्यरत शिक्षक	30	120.0	33.0	

** .01 स्तर पर सार्थक

तालिका – 2
प्राथमिक एवं महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांको के मध्यमान की तुलना

समूह	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'
प्राथमिक वि0 में कार्यरत शिक्षक	30	98.67	26.62	4.78**
महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	138.0	34.84	

** .01 स्तर पर सार्थक

तालिका – 3
माध्यमिक एवं महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांको के मध्यमान की तुलना

समूह	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'
माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षक	30	120.0	33.0	2.05**
महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	138.0	34.84	

** .05 स्तर पर सार्थक

तालिका – 4
प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के सांवेगिक बुद्वि सम्बन्धी प्राप्तांको के मध्यमान की तुलना

समूह	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'
प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	123.6	17.26	2.78**
माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	134.3	12.24	

** .01 स्तर पर सार्थक

तालिका – 5
प्राथमिक एवं महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के सांवेगिक बुद्वि सम्बन्धी प्राप्तांको के मध्यमान की तुलना

समूह	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'
प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	123.6	17.26	5.09**
महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	142.7	11.18	

** .01 स्तर पर सार्थक

तालिका – 6
माध्यमिक एवं महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के सांवेगिक बुद्वि सम्बन्धी प्राप्तांको के मध्यमान की तुलना

समूह	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'
माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	134.3	12.24	2.67**
महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	142.7	11.18	

** .01 स्तर पर सार्थक

तालिका – 7
विभिन्न स्तरों के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन एवं सांवेगिक बुद्वि के मध्य सम्बन्ध

क्र सं0	समूह	संख्या N	सहसम्बन्ध 'r'
1	महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	0.59
2	माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	.44
3	प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	30	.48
4	सभी स्तरों के विद्यालय में कार्यरत शिक्षक	90	.54

शोध परिणाम

- ❖ प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों का समायोजन माध्यमिकस्तर पर कार्यरत शिक्षकों की तुलना में निम्न स्तर का एवं माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों का समायोजन महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की तुलना में निम्न स्तर का पाया गया।
- ❖ महाविद्यालय स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि का स्तर माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की तुलना में एवं माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की सांवेगिक बुद्वि का स्तर प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की तुलना में उच्च स्तर का पाया गया।
- ❖ सम्पूर्ण कार्यरत शिक्षकों का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है सांवेगिक बुद्वि एवं समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध घनात्मक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Annaraja, P., & Sarwade, L., (2006) Emotional intelligence of B.Ed. Trainees. Research and Reflections in Educations, 2, 8-16

Koul, L. (2008) Methodology of Educational Research. New Delhi, Vikash Publishing Pvt. Ltd.

Goleman, D, (1995) Emotional intelligence, New York: Bantam trade

Hyde, Phethe & Dhar (2001) 'Emotional Intelligence scale' (EIS) Publication Manual for Emotional Intelligence scale. National Psychological corporation Agra

Salovey, P., Mayer, J. (1990) Emotional intelligence . Imagination, Cognition and Personality, 9,185-211.

शर्मा, आर.ए. (1995) 'शिक्षा अनुसंधान', आर. लाल बुक डिपो, मेरठ

Winters, C, (2009) Emotional intelligence and teaching. In. J. Helfer (Ed) Proceedings of the 2004-2005 Midwest Philosophy of Education society, Bloomington, In: Author house

_____